भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 471

उत्तर देने की तारीख- 06/02/2023

एचईआई, केवी और जेएनवी में रिक्त शिक्षण / गैर-शिक्षण पद

†**471. डॉ. कलानिधि वीरास्वामी**:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में विशेष रूप से तमिलनाडु में एचईआई, केंद्रीय विद्यालय (केवी), जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) और अन्य विभागों में वर्तमान में रिक्त शैक्षणिक एवं गैर-शिक्षण पदों की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) अब तक इन पदों को न भरने के क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि तमिलनाडु केन्द्रीय विद्यालयों में सबसे अधिक शिक्षकों की कमी का सामना कर रहा है जहां ज्यादातर केवी में प्रवेश लेने वाले बच्चे केंद्र सरकार के कर्मचारियों के हैं;

(घ) क्या सरकार को इस बात की भी जानकारी है कि केवी ने दसवीं और बारहवीं कक्षा में अकादमिक प्रदर्शन बोर्ड परीक्षा 2019 और 2022 के बीच शीर्ष स्थान से गिरकर तीसरे स्थान पर आ गई है जिससे पता चलता है कि कर्मचारियों की कमी से देश भर में पूर्व प्रतिष्ठित केंद्रीय विद्यालयों में शिक्षा का स्तर प्रभावित हो रहा है; और

(ङ) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(**डॉ. सुभाष सरकार**)

(क) और (ख) शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालयों (केवि), जवाहर नवोदय विद्यालयों (जनवि) और केन्द्रीय उच्चतर शैक्षिक संस्थानों (सीएचईआई) में रिक्त शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों की संख्या का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

संस्थान / विभाग का नाम	**शिक्षण**	**गैर-शिक्षण**
केन्द्रीय विद्यालय	12099	1312
जवाहर नवोदय विद्यालय	3271	1756
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	4425	5052
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान / भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान	2089	3773
भारतीय प्रबंधन संस्थान	484	566
भारतीय विज्ञान संस्थान और भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान	353*	625
योजना तथा वास्तुकला विद्यालय	61	90
अन्य केंद्रीय वित्त पोषित तकनीकी संस्थान / राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान	314	378
केंद्रीय विश्वविद्यालय	6180	15798

* इस आंकड़े में सभी आईआईएसईआर के लिए जनवरी, 2023 में हाल ही में अनुमोदित अतिरिक्त 225 संकाय पद शामिल हैं।

सेवानिवृत्ति, इस्तीफे, पदोन्नति और की उन्नयन/ नई स्ट्रीम की स्वीकृति के कारण अतिरिक्त आवश्यकता के साथ-साथ छात्रों की संख्या में वृद्धि के कारण रिक्तियां उत्पन्न होती हैं। रिक्तियों को भरना एक सतत प्रक्रिया है और संबंधित संस्थान के प्रासंगिक भर्ती नियमों के प्रावधानों के अनुसार रिक्तियों को भरने का प्रयास किया जाता है। केंद्रीय विद्यालय संगठन (केविसं) और नवोदय विद्यालय समिति (एनविएस) द्वारा शिक्षकों को अस्थायी अवधि के लिए अनुबंध के आधार पर भी नियुक्त किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया में बाधा न आए। संकाय की कमी को पूरा करने के लिए, एचईआई में विजिटिंग/एडजंक्ट फैकल्टी, एमेरिटस प्रोफेसर, इंस्टीट्यूट प्रोफेसर आदि की भर्ती/नियुक्ति का प्रावधान है।

(ग से (ङ) केविसं ने सूचित किया है कि स्कूलों में नियमित शिक्षकों की पर्याप्त संख्या की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों के युक्तिकरण और पुनर्वितरण के लिए प्रशासनिक आधार पर शिक्षकों को स्थानांतरित किया गया हैं। केविसं ने शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों की रिक्तियों को भरने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है जिसके लिए विज्ञापन जारी किए गए हैं।

केविसं में शिक्षा की गुणवत्ता योग्य शिक्षकों की भर्ती, प्रधानाध्यापकों द्वारा नियमित पर्यवेक्षण और केविसं मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर पर्यवेक्षण के माध्यम से सुनिश्चित की जाती है। इसके अलावा, शिक्षा की गुणवत्ता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों को अद्यतन और सशक्त बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं। सीबीएसई द्वारा आयोजित दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं में केवि के छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के परिणामों की तुलना में काफी बेहतर है।

संगठन के प्रदर्शन का मूल्यांकन समय-समय पर केविसं के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और सामान्य निकाय द्वारा किया जाता है। केविसं के कामकाज की समीक्षा और निगरानी शिक्षा मंत्रालय द्वारा भी की जाती है। प्रदर्शन की निगरानी के लिए प्रमुख परिणाम क्षेत्रों के साथ वार्षिक कार्य योजना और मध्यम अवधि की रणनीतिक योजनाएँ तैयार की जाती हैं। केविसं के प्रदर्शन को हर साल इसकी वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक लेखापरीक्षित लेखा के माध्यम से संसद को भी रिर्पोट किया जाता है।

पिछले दो साल कोविड महामारी के कारण केविसं सहित स्कूल क्षेत्र के लिए चुनौतीपूर्ण रहे हैं क्योंकि शिक्षण के ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों को अपनाया जाना था। इसे ध्यान में रखते हुए, बोर्ड परीक्षा के मूल्यांकन में भी एक बदलाव आया जहां एक छात्र के प्रदर्शन को केवल बोर्ड के अंकों के आधार पर नहीं आंका गया। केविसं महामारी से होने वाली अधिगम हानि को दूर करने के लिए सक्रिय रूप से विशेष प्रयास किए हैं। छात्रों की आवश्यकताओं के आधार पर इस तरह के के अधिगम उपायों में प्रत्येक छात्र की समस्या/कठिन क्षेत्रों को दूर करने के लिए किए गए उपचारात्मक उपाय, अतिरिक्त कक्षाएं, व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने के लिए विशेषज्ञ शिक्षकों को नियुक्त करना, माता-पिता की भागीदारी, प्रौद्योगिकी का उपयोग और विशिष्ट निर्देशात्मक सामग्री, छात्रों की विशिष्ट सीखने की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कार्यपत्रक / कार्यपुस्तिकाएँ शामिल हैं।

*****